जालंधर, शनिवार 27 अप्रैल 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

दीपक सोने का हो या मिट्टी का मूल्य उसका नहीं उसकी लौ का है।

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

केजरीवाल को कोर्ट की लताड़

दिल्ली सरकार की दिलचस्पी सिर्फ सत्ता में रहने की, गिरफ्तारी के बावजूद...

दिल्ली सरकार को जरा भी चिंता नहीं

हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी मे कहा कि दिल्ली सरकार को इस बात की जरा भी चिंता नहीं है कि छात्र स्कूल नहीं जा रहे हैं या उनके पास किताबें नहीं हैं। आपकी दिलचस्पी सिर्फ सत्ता में है। कोर्ट ने कहा कि यहां सत्ता का अहंकार ही है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनमोहन ने कहा कि इस मामले में दिल्ली सरकार का रुख सही नहीं है। दिल्ली में हालात बहुत खराब हैं और एमसीडी के तहत लगभग हर प्रमुख कार्य ठप्प पड़ा हुआ है। आपको बता दें कि इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित किया। सोमवार को हाईकोर्ट इसपर अपना फैसला सुनाएगा।

जालंधर (संदीप मान) : दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार और एमसीडी को 2 लाख से अधिक छात्रों को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध न करा पाने को लेकर फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार की दिलचस्पी सिर्फ सत्ता में बने रहने की है और गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा न देकर अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय हित के ऊपर निजी हित को प्राथमिकता दी है।

आपको बता दें कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह तीखी टिप्पणी की। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम की आपसी खींचतान के कारण एमसीडी स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को पाठ्य पुस्तकें नहीं मिल पाई हैं और वे टिन शेड में पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

सौरभ भारद्वाज पर भी दिल्ली हाई कोर्ट की तीखी टिप्पणी : दिल्ली हाईकोर्ट ने शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज पर भी तीखी टिप्पणी की और कहा कि उन्होंने हालात को लेकर आंखें मूंद रखी हैं और घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। कोर्ट ने ये सख्त टिप्पणी उस वक्त की जब दिल्ली सरकार के वकील शादान फरासत ने कहा कि उन्हें भारद्वाज से निर्देश मिले हैं कि एमसीडी की स्थायी समिति की गैरमौजूदगी में, किसी उपयुक्त प्राधिकारी को शक्तियां सौंपने के लिए मुख्यमंत्री की सहमति की जरूरत होगी जो अभी हिरासत में हैं।

दिल्ली सरकार की दलील पर एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि छात्रों को पाठ्यपुस्तकों के बिना पढ़ने के लिए छोड़ दिया जाए। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह आपकी पसंद है कि आपने कहा है कि मुख्यमंत्री के हिरासत में होने के बावजूद सरकार चलती रहेगी। आप हमें उस रास्ते पर जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं जिस पर हम नहीं जाना चाहते थे। हमने अपने सामने आई जनहित याचिकाओं में कई बार यह कहा है, लेकिन यह आपके प्रशासन का फैसला है। अगर आप चाहते हैं कि हम इस पर टिप्पणी करें, तो हम इस पर विचार करेंगे।

जस्टिस मनमोहन ने कहा कि वह सौरभ भारद्वाज का नाम भी ऑर्डर में शामिल करेंगे। दिल्ली सरकार के वकील सदान फरासत ने कहा कि एमसीडी के पास स्थायी समिति न होने का कारण यह है कि एलजी ने अवैध रूप से एल्डरमैन नियुक्त किए हैं और सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर विचार कर रहा है। फरासत ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार के पास वैसे भी बहुत अधिक शक्ति नहीं है।

जम्मू-कश्मीर : सोपोर मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, एक नागरिक और दो सैनिक भी घायल

जालंधर (हिमांशु) : जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच चल रही गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि एक नागरिक और दो सैनिक घायल हो गए। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस, सेना और सीआरपीएफ सहित सुरक्षाबलों ने गुरुवार को सोपोर शहर के नौपोरा इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

अधिकारियों ने कहा कि जैसे ही सुरक्षा बल छिपे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंचे, उन्होंने आसपास के सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादियों की गोलीबारी में दो सैनिक घायल हो गए। एक नागरिक को भी कंधे पर गोली लगी है।

घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है। इस चल रही गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए हैं। उनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया, इलाके में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है।

गैलेक्सी पर गोली, सलमान पर निशाना...

लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

जालंधर (हर्ष शर्मा) : फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में शुक्रवार को जेल में बंद गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया। गत 14 अप्रैल की सुबह बिहार निवासी विक्की गुप्ता और सागर पाल ने बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अनमोल बिश्नोई ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी और जांच में भी उसके शामिल होने की बात सामने आई है। वह कनाडा में रहता है और अमेरिका भी जाता रहता है। हालांकि हमले की जिम्मेदारी लेने वाली उसके द्वारा की गई फेसबुक पोस्ट का आईपी एड्रेस पुर्तगाल का मिला था।

अनमोल और लॉरेंस दोनों वांछित आरोपित के रूप में नामजद

मामले में अनमोल और लॉरेंस बिश्नोई दोनों को ही वांछित आरोपित के रूप में नामजद किया गया है। पुलिस गुजरात की साबरमती जेल में बंद गैंगेस्टर लॉरेंस को भी कस्टडी में ले सकती है और उस पर कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लगाने पर विचार कर रही है।

आरोपितों को हथियार मुहैया कराने वाला पंजाब से गिरफ्तार

मामले में पुलिस फायरिंग करने के आरोपितों विक्की, सागर पाल समेत दोनों आरोपितों को हथियार मुहैया कराने वाले सोनू कुमार सुभाष चंदर बिश्नोई और अनुज थापन को पंजाब से गिरफ्तार कर चुकी है। इधर, सोनू कुमार एवं अनुज थापन को पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 30 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

आवश्यकता

पंजाब के हर शहर व कस्बे से

वंदे भारत 24

के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।

मोब. 97814-00247
97804-00247

E-mail : info@vandebharat24.com

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

हमारे साथ जुड़ने के लिए व विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।

मोब. 97814-00247
97804-00247

E-mail : info@vandebharat24.com

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।

Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)

Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

जालंधर में हुआ बड़ा हादसा, ट्राली चालक ने युवक पर चढ़ा दी ट्राली और हुआ फरार

जालंधर (काजल विज) : पंजाब के जालंधर से इस समय की बड़ी खबर आ रही है। काला सिंघा रोड पर वीरवार रात एक ट्राली चालक ने युवक का कत्ल कर दिया। मृतक की पहचान विकास भगत उर्फ विक्की निवासी देओल नगर के रूप में हुई है। विक्की बाउंसर प्रोवाइड करने वाली कंपनी चलाता था। जानकारी के मुताबिक विक्की मोटरसाइकिल पर अपनी भुआ के साथ जा रहा था। घास मंडी चौक के पास ट्राली चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह और उसकी भुआ घायल हो गए। उसके बाद ट्राली चालक वहां से फरार हो गया। विक्की अकेला ही उसका पीछा करने के लिए निकल पड़ा। काला सिंघा रोड पर उसने ट्राली चालक को घेर लिया और वह ट्रैक्टर उपर चढ़कर चाबी उतार रहा था। ऐसे में ड्राइवर ने उसे धक्का मारकर नीचे गिराया और फिर उसके उपर से ट्राली निकालकर भाग गया। विक्की की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

वंदे भारत
VANDE BHARAT 24
NEWS CHANNEL को रिक्त जिलों में जिला लेवल एवं तहसील लेवल पर न्यूज़ रिपोर्टर की आवश्यकता है केवल पत्रकारिता मे रुचि रखने वाले संपर्क करे
vandebharat24.com@gmail.com
WHATSAAP :+91 97814 00247
@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news

मतदान खत्म, कहां हुई बंपर वोटिंग, कहां रह गया लोगों का सूखा?

जालंधर (नितिका) : लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण की वोटिंग अब खत्म हो गई है. कुल 13 राज्यों की 88 संसदीय सीटों पर आज मतदान हुए. सुबह सात बजे शुरू हुए मतदान शाम छह बजे तक चले. हालांकि समय खत्म होने के वक्त तक जितने भी लोग मतदान केंद्र में प्रवेश कर चुके थे, उन्हें वोटिंग का पूरा मौका दिया गया.

पीएम मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी लोगो से ज्यादा से ज्यादा संख्या में निकलकर अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल करने का अनुरोध लोगों से किया था.

आज छत्तीसगढ़ के तीन लोकसभा क्षेत्रों में 72.51 फीसदी से अधिक मतदान दर्ज किया गया. छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरण में मतदान हो रहा है. पश्चिम बंगाल में 71.84 फीसदी मतदान दर्ज किया गया. यूपी में 53.17 फीसदी, राजस्थान में 60.45 फीसदी, मणिपुर 77.50 और त्रिपुरा में 77.97 फीसदी, महाराष्ट्र में 53.71 फीसदी, बिहार में 54.17 फीसदी, असम में 70.68 फीसदी, मध्य प्रदेश में 55.45 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई. नोएडा की 100 हाईराइज सोसाइटीज में पोलिंग बूथ लगाने के बावजूद भी 3 लोकसभा चुनावों में सबसे कम रहा मतदान प्रतिशत रहा. गौतमबुद्ध नगर लोकसभा की नोएडा विधानसभा में सबसे कम मतदान-46.48 फ़ीसदी वोटिंग हुई. नोएडा विधानसभा में 2014 में 53.46 प्रतिशत मतदान हुआ था और 2019 में 52.35 प्रतिशत मतदान हुआ था. कर्नाटक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, दिग्गज सॉफ्टवेयर उद्योगपति एन आर नारायण मूर्ति, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति, पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ ने वोट डाला. राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया. लोकसभा चुनाव 2019 में इन 88 में से भाजपा ने 52 और उसके सहयोगियों ने 12 सीटें जीती थीं. हालांकि अब विपक्षी INDIA गठबंधन में शामिल घटक दलों ने मिलाकर पिछले आम चुनाव में इनमें से 23 सीटें अपने नाम की थी.

बेंगलुरु के मणिपाल हॉस्पिटल ग्रुप ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) की मदद से 41 मरीजों को शुक्रवार को लोकसभा चुनाव में मतदान करने में सहायता की. अस्पताल के मुताबिक, प्रशासन ने मरीजों को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने में मदद के लिए अपनी एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करायी.

लोकसभा क्षेत्रों में सुगम आवाजाही और मतदान के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था. मणिपाल अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी कार्तिक राजगोपाल ने बताया कि मरीजों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच और उनके चिकित्सकों से मंजूरी प्राप्त करने के बाद उन्हें अस्पताल के वाहनों में मतदान केंद्रों तक ले जाया गया.

बेंगलुरु में कई रेस्तरां द्वारा मतदान करने वाले ग्राहकों को डोसा, लड्डू, कॉफी और अन्य खाद्य पदार्थ मुफ्त व रियायती दरों पर उपलब्ध कराए. छत्तीसगढ़ के कांकेर संसदीय क्षेत्र के सिवनी गांव में एक मतदान केंद्र को 'मंडप' की तरह सजाया गया था और पारंपरिक विवाह अनुष्ठानों को प्रदर्शित किया गया था. पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे कई दूल्हे-दुल्हन वोट डालने के लिए कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद लोकसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर पहुंचे.

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक मतदान केंद्र पर कुछ महिला मतदाता बैलगाड़ी पर सवार होकर ढोलक बजाते हुए पहुंचीं.

राजस्थान के कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में 108 वर्षीय भूरी बाई को उनके परिवार के सदस्य व्हीलचेयर में गुंजारा मतदान केंद्र पर लाए, जिसके बाद उन्होंने अपना वोट डाला. जबकि 102 साल के हाजी करमदीन ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में मतदान किया.

महाराष्ट्र के परभणी लोकसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों की कमी जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों द्वारा चुनाव बहिष्कार की खबरें भी आई हैं. उत्तर प्रदेश के मथुरा लोकसभा क्षेत्र और त्रिपुरा के त्रिपुरा ईस्ट लोकसभा क्षेत्र के कुछ लोगों ने भी मतदान का बहिष्कार किया.

कर्नाटक के चामराजनगर जिले के पारंपरिक हाथ से बुने हुए रेशमी कपड़ों को बढ़ावा देने के लिए, आठ महिला चुनाव अधिकारी मतदान केंद्रों पर विशेष रूप से डिजाइन की गई साड़ियां पहनकर गईं. उनकी साड़ियों पर चुनावना पर्व-देशदा गरवा (चुनाव का त्योहार देश का गौरव है) भी अंकित था. महाराष्ट्र के अमरावती में वोट डालने के लिए भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा मोटरसाइकिल से मतदान केंद्र पहुंचे.

'जल्द PM मोदी की आंखों से आंसू भी निकलेंगे, 24 घंटे भटका रहे ध्यान'

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनावों को लेकर चुनावी पारा शिखर पर है। राजनीतिक पार्टियों के नेता एक दूसरे पर जमकर तंज कस रहे है। वहीं इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी रैलियों में कांग्रेस और राहुल गांधी पर लगातार जुबानी हमले कर रहे हैं। सियासी बयानबाजी का दौर जारी है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के बीजापुर में आयोजित चुनावी रैली में पीएम मोदी पर जमकर बरसे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर घड़ियाली आंसू बहाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जल्द ही ऐसा होने की संभावना है कि पीएम मोदी सार्वजनिक रूप से राजनीतिक रैली के दौरान आंसू बहाते दिखें। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी 24 घंटे जनता का ध्यान भटकाने के प्रयास करने में लगे हुए हैं। दूसरी तरफ पीएम मोदी ने इससे पहले बिहार के अररिया और पश्चिम बंगाल की रैलियों में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने ईवीएम और वीवीपैट के मुद्दे पर भी विपक्षी दलों को कठघरे में खड़ा किया।

पीएम मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को नजीर बताते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के फैसले से साफ हो चुका है कि विपक्षी पार्टियां बेवजह ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

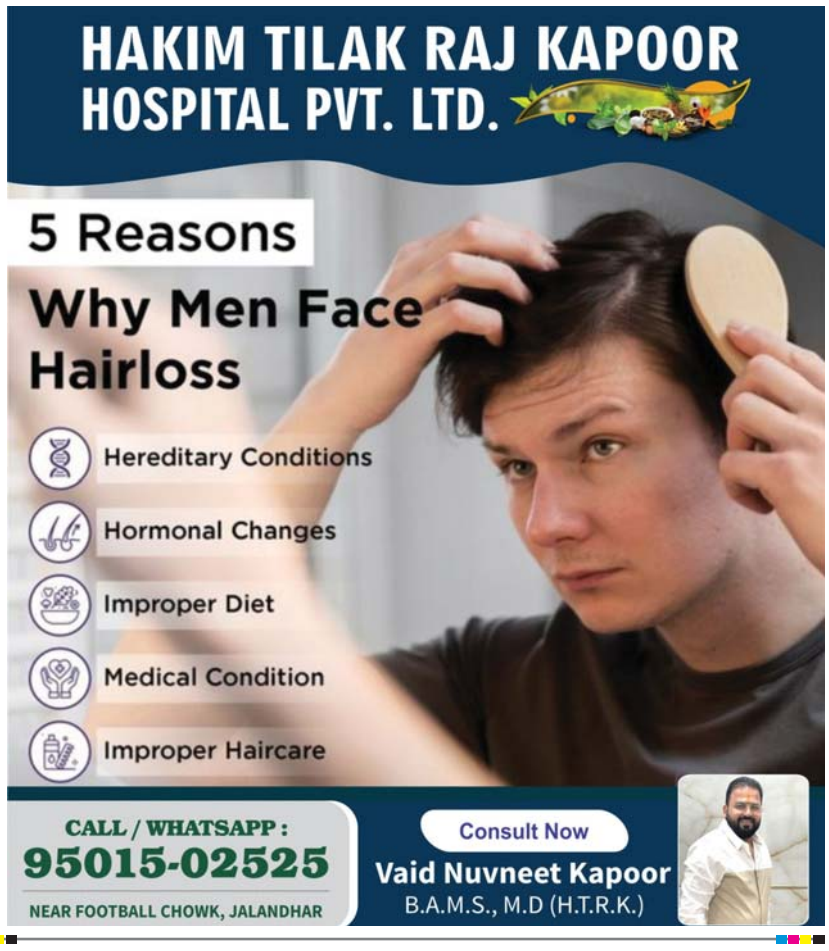

ना EVM से बैलेट पेपर पर जाएगा देश

ना 100 % VVPAT का मिलान होगा, लेकिन ये 2 निर्देश होंगे लागू...

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : EVM के जरिये डाले गए वोट की VVPAT की पर्चियों से शत-प्रतिशत मिलान मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से याचिकाकर्ताओं को बड़ा झटका लगा है। स्ष्ट ने साफ कर दिया है कि देश में बैलेट पेपर से वोटिंग का दौर वापस नहीं आएगा।

यानी मतदान तो ईवीएम से ही होगा. इसके साथ ही वीवीपैट से 100 फीसदी पर्ची मिलान भी नहीं होगा. हालांकि, ईवीएम 45 दिनों तक सुरक्षित रहेगी और अगर नतीजों के बाद 7 दिनों के भीतर शिकायत की जाती है तो जांच कराई जाएगी।

SC ने इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं. जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने सहमति से फैसला दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा, हमने सभी याचिकाओं को खारिज किया है. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि चुनाव के बाद सिंबल लोडिंग यूनिटों को भी सील कर सुरक्षित किया जाए. कोर्ट ने निर्देश दिया कि उम्मीदवारों के पास परिणामों की घोषणा के बाद टेक्निकल की एक टीम द्वारा EVM के माइक्रो कंट्रोलर प्रोग्राम की जांच कराने का विकल्प होगा, जिसे चुनाव की घोषणा के 7 दिनों के भीतर किया जा सकेगा।

45 दिन तक स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा

वोटिंग पर्चियों की गिनती पर कोर्ट ने कहा, सिंबल लोडिंग यूनिट्स के पूरा होने पर कंटेनर में सील कर दिया जाएगा. इस पर उम्मीदवारों के हस्ताक्षर होंगे और नतीजे घोषित होने के बाद 45 दिन के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा।

यानी नतीजे घोषित होने के 45 दिन तक ईवीएम का डेटा और रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा।

VVPAT पर सुप्रीम कोर्ट के दो महत्वपूर्ण निर्देश...

- पहला निर्देश यह है कि सिंबल लोडिंग प्रोसेस पूरी होने के बाद सिंबल लोडिंग यूनिट को सील किया जाना चाहिए और इसे 45 दिन तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए।
- नतीजे में दूसरे और तीसरे नंबर पर आए उम्मीदवार चाहें तो परिणाम आने के सात दिन के भीतर दोबारा जांच की मांग कर सकते हैं. ऐसी स्थिति में इंजीनियरों की एक टीम द्वारा माइक्रो कंट्रोलर की मेमोरी की जांच की जाएगी।

वेरिफिकेशन के लिए देना होगा खर्चा

- जस्टिस खन्ना ने कहा कि वीवीपैट वेरिफिकेशन का खर्चा उम्मीदवारों को खुद ही उठाना पड़ेगा. यदि ईवीएम में गड़बड़ी पाई जाती है तो खर्च वापस कर दिया जाएगा।
- जस्टिस दत्ता का कहना था कि किसी सिस्टम पर आंख मूंदकर संदेह करना ठीक नहीं है. लोकतंत्र, सभी स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास बनाए रखने के बारे में है। विश्वास और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर हम अपने लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं।

'तह तक जाने के लिए सवालों के जवाब जरूरी'

इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट से जुड़े चार सवाल पूछे थे।

1). कंट्रोल यूनिट या वीवीपैट में क्या माइक्रो कंट्रोलर स्थापित है?
2). माइक्रो कंट्रोलर क्या एक ही बार प्रोग्राम करने योग्य है?
3). EVM में सिंबल लोडिंग यूनिट्स कितने उपलब्ध हैं?
4). चुनाव याचिकाओं की सीमा 30 दिन है और इसलिए ईवीएम में डेटा 45 दिनों के लिए संग्रहीत किया जाता है. लेकिन एक्ट में इसे सुरक्षित रखने की सीमा 45 दिन है. क्या स्टोरेज की अवधि बढ़ानी पड़ सकती है?

चुनाव आयोग ने क्या कहा था

चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोर्ट को बताया कि एक वोटिंग यूनिट में एक बैलट यूनिट,कंट्रोल यूनिट और एक VVPAT यूनिट होती है. सभी यूनिट में अपना अपना माइक्रो कंट्रोलर होता है। इन कंट्रोलर से छेड़छाड़ नहीं हो सकती. सभी माइक्रो कंट्रोलर में सिर्फ एक ही बार प्रोग्राम फीड किया जा सकता है। चुनाव चिह्न अपलोड करने के लिए हमारे पास दो मैन्युफैक्चर हैं. एक ECI है और दूसरा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स। चुनाव आयोग ने बताया कि सभी ईवीएम 45 दिन तक स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखी जाती हैं. उसके बाद रजिस्ट्रार, इलेक्शन कमीशन से इस बात की पुष्टि की जाती है कि क्या चुनाव को लेकर कोई याचिका तो दायर नहीं हुई है. अगर अर्जी दायर नहीं होती है तो स्ट्रॉन्ग रूम को खोला जाता। कोई याचिका दायर होने की सूरत में स्ट्रॉन्ग रूम को सीलबन्द रखा जाता है।

'चुनाव आयोग ने याद दिलाए पुराने फैसले'

बुधवार को SC ने कहा था कि अदालत चुनाव की नियंत्रण अथॉरिटी नहीं हैं। अदालत ने EVM मुद्दे पर दो बार दखल दिया है। बेंच ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले वीवीपीएटी पर दो आदेश जारी किए हैं, जो एक स्वतंत्र वोट सत्यापन प्रणाली है और मतदाताओं को यह देखने में सक्षम बनाती है कि उनके वोट सही ढंग से दर्ज किए गए हैं या नहीं। कोर्ट ने कहा, एक आदेश तब पारित किया गया था जब अदालत ने चुनावों के दौरान वीवीपैट के उपयोग का आदेश दिया था और दूसरा आदेश तब पारित किया गया था जब अदालत ने निर्देश दिया था कि वीवीपैट का उपयोग एक से बढ़ाकर पांच बूथों तक किया जाना चाहिए। अब आप सभी चाहते हैं कि हम मतपत्रों पर वापस जाने के लिए निर्देश जारी करें. बेंच ने कहा, यदि जरूरी हुआ तो वो मौजूदा ईवीएम सिस्टम को मजबूत करने के लिए निर्देश पारित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2019 में चुनाव आयोग से कहा था कि किसी संसदीय क्षेत्र में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम के साथ वीवीपैट की संख्या एक से बढ़ाकर पांच कर दी जाए।

जालंधर में बड़ा सड़क हादसा,10 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकराई, कई लोग हुए घायल

जालंधर (हिमांशु) : जालंधर के पठानकोट चौक में भीषण हादसे की खबर सामने आई है। फ्लाई ओवर के नजदीक तेज रफ्तार दूध के टैंकर ने रेड लाईट पर खड़ी एक के बाद एक करीब 12 वाहनों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में लगभग आधा दर्जन गाड़ियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई हैं।

इस हादसे में लगभग 15 लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को निकट ही पठानकोट चौक के निकट स्थित कपूर बॉन अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। अस्पताल के डॉक्टर जश्नीव कपूर व उनकी टीम द्वारा घायलों का इलाज किया जा रहा है। इस हादसे के बाद सड़क पर भारी जाम लग गया। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत क्रेन की मदद से गाड़ियों को सड़क से हटाने का काम शुरू किया।

कौन है संदेशखाली का अबू तालेब मोल्ला?

जिसके घर से CBI को मिला हथियारों का जखीरा, अब NSG ने संभाली कमान

जालंधर (जसवीर) : पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार, जबरन जमीन दखल और ईडी अधिकारियों पर हमले के बाद टीएमसी नेता शाहजहां शेख का नाम सुर्खियों में आया था. हालांकि फिलहाल वह जेल की सलाखों के पीछे है, लेकिन अब शाहजहां शेख के बाद उसके करीबी और रिश्तेदार अबू तालेब मोल्ला का नाम सुर्खियों में है. सीबीआई ने अबू तालेब की घर की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में फायर आर्म्स और हथियार बरामद किए हैं. उसके बाद एनएसजी की टीम संदेशखाली पहुंची है और पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है.

शुक्रवार की सुबह संदेशखाली के सरबेरिया अग्रघाटी के मल्लिकपाड़ा में सीबीआई ने छापेमारी की. सूत्रों के अनुसार वहां तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में विदेशी हथियार और बम बरामद किये गये. कुल 128 राउंड गोलियां, दो पिस्तौल और 5 रिवॉल्वर जब्त किए गए हैं.

जांच एजेंसी की 10 सदस्यों की टीम ने मल्लिकपाड़ा के तृणमूल पंचायत सदस्य हफीजुल खान के रिश्तेदार अबू तालेब मोल्ला के घर पर छापेमारी की. उनके साथ केंद्रीय बल के जवान भी थे. बम खोजने के लिए विशेष स्कैनर भी थे. सीबीआई के अधिकारियों ने मौके पर जाकर तृणमूल नेता के रिश्तेदार के घर का फर्श तोड़ दिया. सीबीआई ने वहां से हथियारों को बरामद किए. इसके बाद एनएसजी कमांडो ने सरबेरिया इलाके को घेर लिया. सर्च ऑपरेशन रोबोट से किया जा रहा है और एनएसजी की टीम खोजी कुत्तों से इलाके की तलाशी ले रही है.

शाहजहां शेख का रिश्तेदार है अबू तालेब मोल्ला : बता दें कि पंचायत सदस्य और तृणमूल कांग्रेस के नेता हफीजुल खान का अबू तालेब मोल्ला का रिश्तेदार है. वह टीएमसी के पूर्व आरोपी नेता शाहजहां शेख का भी करीबी रिश्तेदार है. जांचकर्ताओं ने शुक्रवार को संदेशखाली के सरबेरिया के मल्लिकपाड़ा में शाहजहां के करीबी हफीजुल खान के घर पर तलाशी अभियान चलाया. आरोप है कि शेख शहाजहां के ये दोनों नेता हफीजुल खान और अबू तालेब काफी करीबी थे और शाहजहां शेख के साथ ही उन पर भी स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं. इसके साथ ही उनका समाज विरोधियों के साथ भी संबंध थे.

अबू तालेब मोल्ला के घर पर मिला हथियारों का जखीरा : सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, घर से बड़ी संख्या में हथियार और बम बरामद हुए हैं. दावा है कि गुप्त सूत्रों से हथियारों और बमों के जखीरे की जानकारी मिलते ही ऑपरेशन को अंजाम दिया गया.

कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर संदेशखाली घटना की कमान सीबीआई के हाथ में आने के बाद केंद्रीय एजेंसी के जासूस कई बार वहां आ चुके हैं. पिछले शनिवार को भी सीबीआई की दो टीमें संदेशखाली आयी थीं. एक समूह थाने गया. दूसरा समूह संदेशखाली की ओर चला गया. इस बार छापेमारी शाहजहां के करीबी रिश्तेदार के घर पर हुई है और छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार जब्त किये गये हैं.

S.T HOSPITAL
& Test Tube Baby Centre
Near Football Chowk, Jalandhar.
Mob.: 99154-02525, 0181-5042525
www.sthospital.in

अब हर घर गूँजेंगी खुशियों की किलकारियाँ
IUI | IVF | ICSI
विधियों द्वारा पुरुषों तथा महिलाओं के बाँझपन का उपचार किया जाता है
Dr. Asheesh Kapoor
M.B.B.S., P.G.D.S. (USA)
Fertility & Sex Specialist
Dr. Rimmi Mahajan
M.B.B.S, M.D. (Obs & Gynae)
Fellowship in Rep. Med. (Spain)

कांग्रेस ने आठ सीटों पर उतारे उम्मीदवार

हुड्डा के पसंदीदा को मिला टिकट

जालंधर (हर्ष शर्मा) : हरियाणा की आठ लोकसभा सीटों में से सात पर अपनी पसंद के उम्मीदवार घोषित करवाकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस हाईकमान में अपनी मजबूत पकड़ का अहसास तो कराया ही, साथ ही राज्य में हुड्डा के विरुद्ध मोर्चा खोलकर रखने वाले कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी (एसआरके) गुट को तगड़ा झटका दिया है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हिसार टिकट पर किया बड़ा खेल

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हिसार में पूर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश जेपी को टिकट दिलवाकर और भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह का टिकट कटवाकर यह साफ कर दिया है कि इसी साल अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी हुड्डा की चलने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हिसार का टिकट आवंटन कराने में बड़ा खेल कर दिया।

बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल पूर्व केंद्रीय मंत्री के बेटे को नहीं मिली टिकट

हिसार में बृजेंद्र सिंह को टिकट नहीं मिलने का नुकसान पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह को भी हुआ है। बृजेंद्र सिंह दावेदारी हिसार के साथ-साथ सोनीपत में भी थी। पिछले दिनों बीरेंद्र सिंह का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे थे कि सोनीपत से अच्छा उनके लिए हिसार रहेगा, लेकिन हुड्डा ने ऐसा दांव खेला कि बीरेंद्र सिंह व उनके बेटे को न तो हिसार मिला और न ही सोनीपत में कोई जगह बन पाई।

बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा को रोहतक सीट से दिलवाया टिकट

भूपेंद्र हुड्डा रोहतक में अपने बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा को टिकट दिलवाकर यह संदेश देने में कामयाब रहे कि कांग्रेस में उनके बेटे भविष्य की राजनीति के सरताज हैं। यानी विधानसभा चुनाव दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। कांग्रेस हाईकमान हालांकि नहीं चाहता था कि दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम पर रिस्क लिया जाए, क्योंकि वह मौजूदा राज्यसभा सदस्य हैं।

यदि दीपेंद्र चुनाव जीतते हैं तो कांग्रेस की राज्यसभा की एक सीट खराब हो जाएगी, लेकिन हुड्डा ने इस सीट की परवाह नहीं की और भविष्य की राजनीति को देखते हुए अपने बेटे को वह लोकसभा का टिकट दिलाने में कामयाब हो गए।

सैलजा ने अपनी पसंद से किया सिरसा का चयन

सिरसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा को छोड़कर जिन सात सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार घोषित हुए हैं, वह सभी हुड्डा समर्थक हैं। उन्हें टिकट दिलाने में सारी गोटियां हुड्डा ने ही फिट की हैं। सिरसा में कुमारी सैलजा अपने प्रभाव से टिकट लेने में कामयाब रही हैं। हालांकि हुड्डा गुट की ओर से सैलजा का नाम अंबाला व सिरसा दोनों लोकसभा सीटों से पैनल में भेजा गया था। लेकिन सिरसा का चयन स्वयं सैलजा ने किया है।

करनाल में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा के नाम की घोषणा होते ही भाजपा के उम्मीदवार एवं पूर्व सीएम मनोहर लाल के सामने उन्हें इंटरनेट मीडिया पर कमजोर कंडीडेट माना जाने लगा है, लेकिन हुड्डा समर्थकों ने संकेत दिए हैं कि करनाल के चुनावी रण के माध्यम से हुड्डा अपने परम भक्त दिव्यांशु को बड़ी राजनीतिक पहचान दिलाने की कोशिश में हैं।

दिव्यांशु की गिनती दीपेंद्र सिंह हुड्डा के बेहद खास समर्थकों में होती है। दिव्यांशु ने सरकार के विरुद्ध बेरोजगारी व नौकरियों में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कई आंदोलन किए हैं।

एसआरके गुट की नहीं गली दाल

अंबाला, सोनीपत और हिसार में हुड्डा की पसंद पर मुहर अंबाला में मुलाना के विधायक वरुण मुलाना पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खास समर्थक हैं, जिन्हें पार्टी चुनाव लड़वाने जा रही है। यहां एसआरके गुट रेणु बाला को चुनाव लड़वाना चाहता था।

हिसार में जय प्रकाश जेपी कई बार चुनाव लड़कर हार चुके हैं, लेकिन उनकी वहां पकड़ मजबूत बताई जाती है। इसलिए हुड्डा ने जेपी को टिकट दिलाना पार्टी हित में समझा है, जबकि एसआरके गुट उनके नाम पर बिल्कुल भी सहमत नहीं था। हिसार में एसआरके गुट चंद्र मोहन बिश्नोई और बृजेंद्र सिंह का नाम आगे कर चल रहा था।

सोनीपत में सतपाल ब्रह्मचारी को टिकट देकर कांग्रेस ने ब्राह्मणों का भरोसा जीतने की कोशिश की है। हुड्डा ने करनाल और सोनीपत में पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा के नाम की भी लाबिंग की थी, मगर पार्टी कुलदीप को टिकट देने के लिए राजी नहीं हो पाई है। सोनीपत में बीरेंद्र सिंह अपने बेटे के लिए लाबिंग कर रहे थे।

श्रुति के लिए एसआरके गुट की लाबिंग नहीं आई काम

भिवानी-महेंद्रगढ़ में किरण चौधरी की बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी का टिकट कटवाकर हुड्डा ने एसआरके गुट को बड़ा झटका दिया है। पिछले कई दिनों से किरण चौधरी अपनी बेटी के लिए टिकट की लाबिंग कर रही थी। एसआरके गुट भी श्रुति चौधरी की टिकट के लिए अड़ा हुआ था।

दो दिन पहले ही श्रुति चौधरी ने गोलमोल ट्वीट के माध्यम से डी नाम के उम्मीदवार की हार का दावा किया था, लेकिन बाद में उन्होंने डी का मतलब भाजपा उम्मीदवार चौधरी धर्मबीर सिंह बताया, जबकि उन्होंने ट्वीट राव दान सिंह के लिए किया था। ऐसा राजनीतिक गलियारों में बताया जा रहा है।

फरीदाबाद में हुड्डा अपने रिश्तेदार पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल को टिकट नहीं दिला पाए, जबकि जिन पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह को टिकट मिला है, वह भी हुड्डा के खास समर्थकों में गिने जाते हैं। करण सिंह को टिकट नहीं मिलने से उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ सकती है।

गुरुग्राम की सीट पर इसलिए फंसा पेंच

गुरुग्राम लोकसभा सीट पर उम्मीदवारी को लेकर अभी टकराव बरकरार है। गुरुग्राम में हुड्डा गुट फिल्म अभिनेता राज बब्बर को टिकट दिलाना चाहता है। राज बब्बर के अलावा हुड्डा गुट की तरफ से राव दान सिंह, जितेंद्र भारद्वाज, चौधरी आफताब अहमद के नाम भी पैनल में भेजे गए थे, लेकिन जब राज बब्बर को चुनाव लड़वाने की बारी आई तो हुड्डा ने उनके सामने बाकी सभी नाम हटा लिए। राज बब्बर का नाम सामने आने के बाद पूर्व सिंचाई मंत्री कैप्टन अजय यादव सक्रिय हो गए। इससे पहले उन्होंने साफ मना कर दिया था कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन राज बब्बर के आने से उन्हें लगा कि भविष्य में कांग्रेस की तरफ उनके और उनके विधायक बेटे चिरंजीव राव की टिकट के रास्ते बंद हो सकते हैं, इसलिए उन्होंने राज बब्बर का पूरी मुखरता के साथ विरोध किया, जिस कारण कांग्रेस हाईकमान को गुरुग्राम की सीट लंबित रखनी पड़ गई है।

कांग्रेस को मुस्लिम वोट चाहिए, उम्मीदवार क्यों नहीं? पूर्व मंत्री ने पार्टी का प्रचार करने से किया मना

जालंधर (काजल विज) : महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने कांग्रेस का प्रचार करने से मना कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में खान ने अपनी नाराजगी का कारण किसी मुस्लिम को उम्मीदवार न दिया जाना बताया है।नसीम खान ने खरगे को लिखे पत्र में महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में नाम शामिल करने के लिए खरगे को धन्यवाद दिया है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र में तीसरे, चौथे और पांचवें चरण के लिए पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं करूंगा।

मोहम्मद आरिफ नसीम खान क्यों नहीं करेंगे प्रचार?

खान ने इसका कारण बताते हुए लिखा

है कि महाराष्ट्र की कुल 48 लोकसभा सीटों में से महाविकास आघाड़ी ने एक भी मुस्लिम को उम्मीदवार नहीं बनाया है। खान के अनुसार, पूरे महाराष्ट्र से कई मुस्लिम संगठन, नेता और पार्टी कार्यकर्ता उम्मीद कर रहे थे कि कांग्रेस कम से कम एक उम्मीदवार को नामांकित करेगी, लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस ने एक भी मुस्लिम उम्मीदवार को नामांकित नहीं किया है।

कांग्रेस नेता ने प्रचार समिति से दिया इस्तीफा

अब वे पूछ रहे हैं कि कांग्रेस को मुस्लिम वोट चाहिए उम्मीदवार क्यों नहीं? खान ने स्पष्ट कहा है कि मैं कांग्रेस पार्टी के इस अनुचित फैसले से नाराज हूं।

खान ने कहा कि इससे पहले जब भी पार्टी ने मुझे गुजरात, गोवा, कर्नाटक, तेलंगाना, बंगाल, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की चुनावी जिम्मेदारी दी, मैंने पार्टी के पक्ष में अपने पूरे प्रयास से इसे शानदार ढंग से क्रियान्वित किया, लेकिन अब इन सभी कारणों से मैं मुस्लिम समाज का सामना नहीं कर पाऊंगा।